PAPER-3 | सामान्य अध्ययन – II

संविधान, शासन-प्रणाली, शासन व्यवस्था, सामाजिक न्याय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध

2.1. संविधान और शासन-प्रणाली:

- भारतीय संविधान— ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी ढाँचा।
  [Indian Constitution— Historical underpinnings, evolution, features, amendments, significant provisions and basic structure.]

- संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व, संघीय ढाँचे से सम्बन्धित विषय एवं इसकी चुनौतियाँ; स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तान्तरण और उसमें आने वाली चुनौतियाँ।
  [Functions and responsibilities of the Union and the States, issues and challenges pertaining to the federal structure; Devolution of powers and finances up to local levels and challenges therein.]

- विभिन्न घटकों के बीच शक्तियों का पृथक्करण, विवाद निवारण तन्त्र तथा संस्थान।
  [Separation of powers between various organs, dispute redressal mechanisms and institutions.]

- भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य देशों के साथ तुलना।

[Comparison of the Indian constitutional scheme with that of other countries.]

- संसद और राज्य विधायिका— संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार और इनसे उत्पन्न होने वाले विषय।
  [The Parliament and State Legislatures— Structure, functioning, conduct of business, powers and privileges and issues arising out of these.]

- कार्यपालिका और न्यायपालिका— संरचना, संगठन और कार्य; सरकार के मन्त्रालय एवं विभाग; प्रभावक समूह तथा औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन-प्रणाली में उनकी भूमिका।
  [The Executive and the Judiciary— Structure, organization and functioning; Ministries and Departments of the Government; Pressure groups and formal/informal associations and their role in the Polity.]

- जन-प्रतिनिधि अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ।
  [Salient features of the Representation of People's Act.]

- विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति; विभिन्न संवैधानिक निकायों की शक्तियाँ, उनके कार्य और उत्तरदायित्व।
  [Appointment to various Constitutional posts; Powers, functions and responsibilities of various Constitutional Bodies.]

- सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्द्ध-न्यायिक निकाय।
  [Statutory, Regulatory and various Quasi-judicial bodies.]

2.2. लोक नीति और सामाजिक न्याय:

- सरकारी नीतियाँ और उनका कार्यान्वयन— सरकारी नीतियाँ तथा विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप तथा उनके अभिकल्पन और कार्यान्वयन के कारण उत्पन्न विषय।
  [Government Policies and their Implementation— Government policies and interventions for development in various sectors and issues arising out of their design and implementation.]

- विकास प्रक्रिया तथा विकास उद्योग— गैर-सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, विभिन्न समूहों और संघों, दानकर्ताओं, लोकोपकारी संस्थाओं, संस्थागत व अन्य पक्षों की भूमिका।
  [Development Processes and the Development Industry— The role of NGOs, SHGs, various groups and associations, donors, charities, institutional and other stakeholders.]

केन्द्र और राज्यों द्वारा जनसंख्या के अति-संवेदनशील वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का प्रदर्शन; इन अति-संवेदनशील वर्गों की रक्षा व बेहतरी के लिए गठित तन्त्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।

[Welfare schemes for vulnerable sections of the population by the Centre and States and the performance of these schemes; Mechanisms, laws, institutions and bodies constituted for the protection and betterment of these vulnerable sections.]

- स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधनों से सम्बन्धित सामाजिक-क्षेत्र/सेवाओं के विकास और उनके प्रबन्धन से सम्बन्धित विषय।
  [Issues relating to development and management of Social-Sector/Services relating to Health, Education, Human Resources.]

- गरीबी और भूख से सम्बन्धित विषय।
  [Issues relating to poverty and hunger.]

2.3. शासन व्यवस्था:

- शासन व्यवस्था, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्वपूर्ण पक्ष; ई-अभिशासन— अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ और सम्भावनाएँ; नागरिक घोषणा-पत्र, पारदर्शिता एवं जवाबदेही और संस्थागत तथा अन्य उपाय।
  [Important aspects of governance, transparency and accountability; E-governance— Applications, models, successes, limitations, and potential; Citizens charters, transparency & accountability and institutional and other measures.]

- लोकतन्त्र में सिविल सेवाओं की भूमिका।
  [Role of civil services in a democracy.]

2.4. अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध:

- भारत और इसके पड़ोसी देश— सम्बन्ध।
  [India and Its neighborhood— Relations.]

- द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह तथा भारत से सम्बन्धित और भारत के हितों को प्रभावित करने वाले समझौते/करार।
  [Bilateral, regional and global groupings and agreements involving India and/or affecting India's interests.]

- भारत के हितों और भारतीय परिदृश्य पर विकसित और अन्य विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का प्रभाव; प्रवासी भारतीय।
  [Effect of policies and politics of developed and developing countries on India's interests; Indian diaspora.]

- महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान, संस्थाएँ और मंच— उनकी संरचना एवं अधिदेश (अधिदेश = सौंपा गया दायित्व)।
  [Important International Institutions, Agencies and Fora— Their structure and mandate.]

▪▪▪